Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Seminar on 'Economy@75'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 18-11-2022**

हकेंवि

राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी-75 का हुआ समापन

विभिन्न संस्थानों के 50 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी- 75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार लगाया गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स (बीएएसई), बैंगलोर के कुलपति प्रो. एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे। जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के 5 उप विषयों के 25 विभिन्न आयामों पर अपने-अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने की।

राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एनआर भानुमूर्ति व अन्य। संवाद

राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ कार्यक्रम के रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 18-11-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

▪ राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी @ 75 हुआ समाप्त

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेविके अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी @ 75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (बीएएसई), बेंगलोर के कुलपति प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे। जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ साथ कार्यक्रम के रुपरेखा को भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति ने अपने वक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डॉ. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डॉ. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अधिवेशन सत्र में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के सह-आचार्य डॉ. अमनदीप वर्मा ने किया। वहीं तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के 5 उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति व अन्य

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 18-11-2022**

नए भारत के निर्माण में मेक इन इंडिया का कदम निभाएगा बड़ी भूमिका : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में इकोनमी @75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनमी @75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण ● सौ. प्रवक्ता

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल आफ इकानामिक्स (बीएएसई), बेंगलुरु के कुलपति प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे, जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रंजन के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डा. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ साथ कार्यक्रम के रुपरेखा को भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. एनआर भानुमूर्ति ने व्यक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सेमिनार के उद्घाटन सत्र में कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डा. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डा. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सेमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डा. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डा. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के पांच उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस सेमिनार का समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने की। उन्होंने सेमिनार में प्रतिभागिता करने वाले शोधार्थियो को बधाई दी और कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में निश्चित ही अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। सेमिनार के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा एवं डा. ऋतु गोयल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 18-11-2022**

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एनआर भानुमूर्ति व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स बैंगलोर के कुलपति प्रो. एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 18-11-2022**

राष्ट्रीय सैमिनार 'इकोनॉमी @ 75' सम्पन्न, 50 से अधिक शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

राष्ट्रीय सैमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति व अन्य।

महेंद्रगढ़, 17 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'इकोनॉमी @ 75' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सैमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, बैंगलोर के कुलपति प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ का निर्धारण करेंगे, जिसमें भारतीय युवा शोधकर्त्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार का शुभारम्भ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सैमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा को भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने-माने अर्थशास्त्री प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति ने अपने वक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढ़ाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने राष्ट्रीय सैमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया : प्रो. सुनील

राष्ट्रीय सैमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डॉ. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डॉ. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अधिवेशन सत्र में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के सह-आचार्य डॉ. अमनदीप वर्मा ने किया, वहीं तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सैमिनार के 5 उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस सैमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने की।

उन्होंने सैमिनार में प्रतिभागिता करने वाले शोधार्थियों को बधाई दी और कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में निश्चित ही अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। सैमिनार के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा एवं डॉ. ऋतु गोयल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।